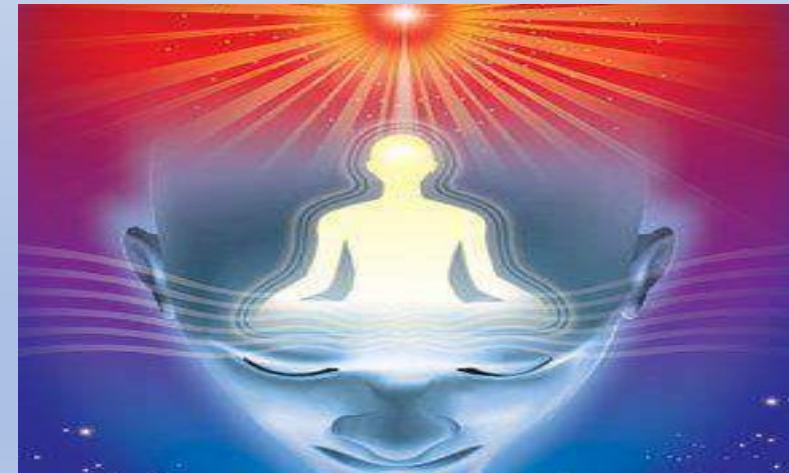


Experiencing Sweet Silence

Brahmakumaris

Presentation



B. K. Prafulchandra

Sweet Silence

अर्थात्

मधुर शान्ति – Sweet Peace

मधुर एकांत – Sweet Solitude

मधुर मौन – Beyond Speech



शांति की जननी पवित्रता

नैनो में पवित्रता की जलक हो

मुख पर पवित्रता जी मुस्कराहट हो

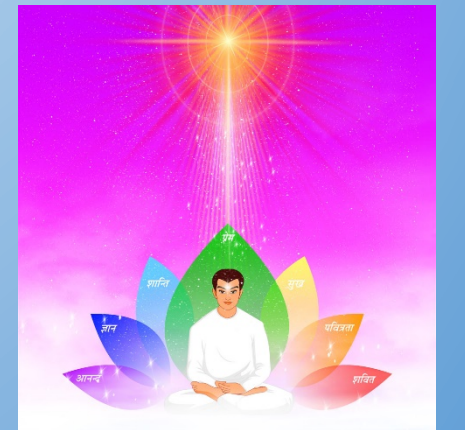
वाणी में पवित्रता की मधुरता और निर्मलता हो

हाथ-पाँव से किये हर कर्म से पवित्रता प्रत्यक्ष हो

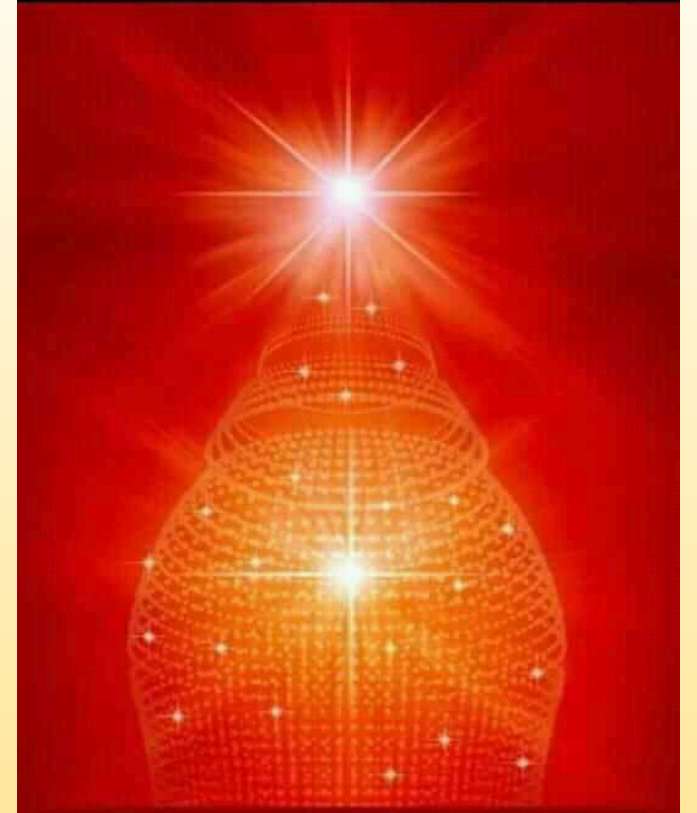


योगाभ्यास के क्रमिक सोपान

१. शिथिलीकरण की क्रिया को अपनाकर मन को स्थिर और एकाग्र करना।
२. देहभान से मुक्त हो कर अपने आत्म स्वरूप की स्मृति में स्थित होना।
३. अपनी शाश्वतता एवं चैतन्यता की अनुभूति करना।
४. अपने पवित्रता के स्वधर्म में स्थित हो कर उच्चतम पवित्रता की अनुभूति करना।
५. अपने शान्ति के स्वधर्म में स्थित हो कर गहन शान्ति की अनुभूति करना।



१. अपनी बिजरूप अवस्था में शांतिधाम में स्थित हो कर गहन शांति की अनुभूति करना ।
२. परमधाम में शांति के सागर प्यारे बाबा के सानिध्य में परमशांति की अनुभूति करना ।
३. शांति से भरपूर हो कर, साकार लोक में अंतरिक्ष में स्थित हो कर समग्र विश्व को शांति प्रदान करते हुए गहन शांति की अनुभूति करना ।



A vibrant, ethereal scene featuring a person in a meditative pose seated on a large, glowing lotus flower. The person's head is centered under a brilliant starburst of light that radiates outwards in a fan shape, filling the upper half of the frame with a spectrum of colors from purple to yellow. The background is a deep blue gradient, speckled with numerous small, bright white stars. At the bottom, a calm body of water reflects the light from the lotus and the starburst. Four smaller, glowing lotus flowers are scattered across the water's surface, two on the left and two on the right of the central lotus.

RAJYOGA MEDITATION
SOUL CONNECTION WITH SUPREME SOUL

POWER OF SILENCE



**Om
Shanti**